Paper - I

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - I

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- **(1)** सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **20 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) संजाल पूर्ण कीजिए । **2**

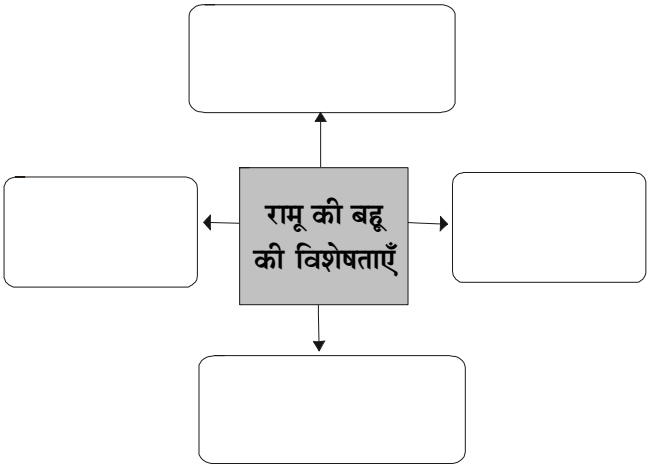

अगर कबरी बिल्ली घर-भर में किसी से प्रेम करती थी, तो रामू की बहू से और अगर रामू की बहू घर भर में किसी से घृणा करती थी, तो कबरी बिल्ली से । रामू की बहू, दो महीने हुए मायके से प्रथम बार ससुराल आई थी, पति की प्यारी और सास की दुलारी । भंडारघर की चाबी उसकी करधनी में लटकने लगी, नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा । और रामू की बहू घर में सब - कुछ । सास जी ने माला ली और पूजापाठ में मन लगाया ।

बहू ठहरी बालिका जैसी, कभी भंडारघर खुला है, तो कभी भंडारघर में बैठे - बैठे सो गई । कबरी बिल्ली को मौका मिला, घी - दूध पर अब वह जुट गई । रामू की बहू की जान आफत में और कबरी बिल्ली के छक्के - पंजे ! रामू की बहू हाँड़ी में घी रखते - रखते ऊँघ गई और बचा हुआ घी कबरी के पेट में । रामू की बहू दूध ढँककर मिसरानी को जिन्स देने गई और दूध नदारद ! अगर बात यहीं तक रह जाती तो भी बुरा न था, कबरी रामू की बहू से कुछ ऐसा परच गई थी कि रामू की बहू के लिए खाना - पीना दुश्वार ! रामू की बहू के कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी रखी और रामू जब तक आए तब तक कटोरी साफ चटी हुई । बाजार से बालाई आई, जब तक रामू की बहू ने पान लगाया, बालाई गायब !

रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर कबरी बिल्ली ही। मोरचाबंदी हो गई और दोनों सतर्क ! बिल्ली फँसाने का कठघरा आया। उसमें दूध, मलाई, चूहे, और भी बिल्ली को स्वादिष्ट लगने वाले विविध प्रकार के व्यंजन रखे गए लेकिन बिल्ली ने उधर निगाह तक नहीं डाली। इधर कबरी ने सरगर्मी दिखलाई। अभी तक तो वह रामू की बहू से डरती थी; पर अब वह साथ लग गई लेकिन इतने फासले पर कि रामू की बहू उसपर हाथ न लगा सकी।

कबरी के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू को घर में रहना मुश्किल हो गया। उसे मिलती थीं सास की मीठी झिड़कियाँ और पतिदेव को मिलता था रूखा-सूखा भोजन।

2) संजाल पूर्ण कीजिए। **2**

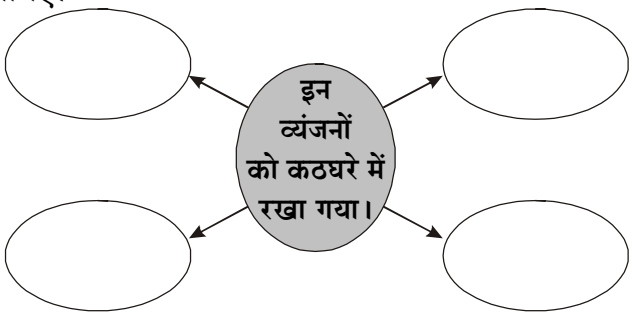

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) भन्डारघर (2) ढ़ँककर

ii) **रिक्त चौखट में उत्तर लिखिए।** **1**

जैसे	दुलार →	दुलारी
(1)	प्यार →	
(2)	अमीर →	

4) 'कम उम्र में लड़की का विवाह करने से क्या होता है ?' अपने विचार व्यक्त कीजिए। **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) समझकर लिखिए। **2**

i) यह है वाणी -

(1) ------- (2) ------

ii) इन पर निर्भर है मनुष्य के जीवन का समाधान

(1) ------ (2) ------

वाणी ईश्वर द्‌वारा मनुष्य को दी गई एक बड़ी देन है । वह मनुष्य के चिंतन का फलित है और उसका साधन भी । चिंतन के बगैर वाणी नहीं और वाणी के बगैर चिंतन नहीं और दोनों के बगैर मनुष्य नहीं ।

मनुष्य के जीवन का समाधान वाणी के संयम और उसके सदुपयोग पर निर्भर है । मनुष्य के सारे चिंतनशास्त्र वाणी पर आधारित हैं । दर्शनों का सारा प्रयास विचारों को वाणी में ठीक-से पेश करने के लिए रहा है । वाणी विचार का शरीर ही है । कोई खास विचार किसी खास शब्द में ही समाता है । इसलिए गंभीर चिंतन करने वाले निश्चित वाणी की खोज करते रहते हैं ।

पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्‌धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीरशुद्‌धि के लिए वैद्‌यक लिखा और वाक्‌शुद्‌धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा । ये तीनों चीजें लिखने वाला पतंजलि एक ही था या अलग-अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें । परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्‌देश्य वाणी की शुद्‌धि करना माना गया है ।

2) i) **सत्य या असत्य लिखिए।** **1**

(1) व्याकरण का उद्‌देश्य वाणी की शुद्‌धि करना होता है।

(2) चिंतन के लिए वाणी की जरूरत नहीं होती है।

ii) **सहसंबंध लिखिए।** **1**

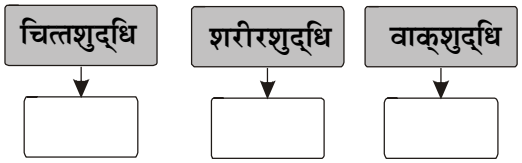

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) बडी (2) चिन्तन

ii) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) मनुष्य (2) समाधान

4) वाणी का महत्त्व पर अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1.(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

1) i) **निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर लिखिए ।** **1**

लेखक ने सुखद स्वप्न किसे कहा है ?

ii) **सही विकल्प चुनकर लिखिए ।** **1**

(1) हमें अरुचि है .....

(क) अधिक जीविका कमाने में ।

(ख) देश को समृद्ध बनाने में ।

(ग) हाथों से काम करने में ।

(2) समाज के प्रति हमारा कर्तव्य है कि, ...

(क) जितना ले सकें, उतना ले लें ।

(ख) जितना उससे लेते हैं, उससे कई गुना श्रम करके उसे लौटा दें ।

(ग) हमेशा तटस्थ रहें ।

हमें स्वराज्य तो मिल गया, परंतु सुराज्य अभी हमारे लिए एक सुखद स्वप्न ही है । इसका प्रधान कारण यह है कि देश को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से कठोर परिश्रम करना हमने अबतक नहीं सीखा । श्रम का महत्त्व और मूल्य हम जानते ही नहीं । हम अब भी आरामतलब हैं । हाथों से हमें यशेष्ट काम करने में रुचि नहीं है । हाथों से काम करने को हम हीन लक्षण समझते हैं । हम कम - से - कम काम द्वारा जीविका चाहते हैं । हम यही सोचते हैं कि किस तरह काम से बचा जाए । यह दूषित मनोवृत्ति राष्ट्र की आत्मा में जा बैठी है और वहाँ से हटती नहीं । यदि हम इससे मुक्त नहीं होते और आज समाज से जितना हम पा रहे हैं या लेना चाहते हैं, उससे कई गुना अधिक उसे अपने कठोर श्रम से नहीं देते तो आगे नहीं जा सकता और स्वराज्य सुराज में परिणत नहीं हो सकता ।

2) 'श्रम की महिमा' के बारे में 6 से 8 वाक्यों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए । **2**

विभाग 2 - पद्य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

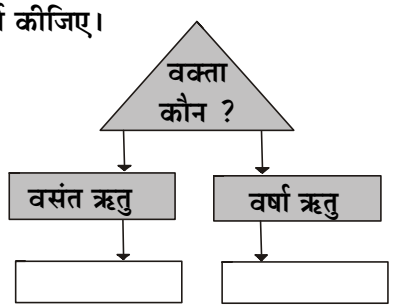

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

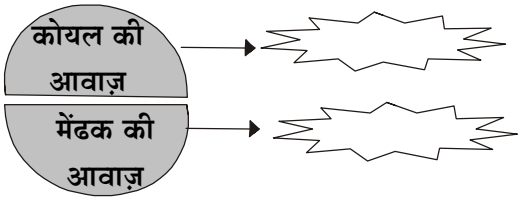

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन ।
अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन ।।

2) i) दोहे में आए प्राणियों के नाम लिखिए। **1**

(1) ---------- (2) ---------

ii) कोयल व मेंढक के उदाहरण से आप समझते हैं। **1**

(1) ---------- (2) ----------

3) i) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) कोयल (2) मेंढक

ii) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।** **1**

(1) वक्ता (2) मौन

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

"पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन।
अब दादुर वक्ता भए, हमको पूछत कौन।।"

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

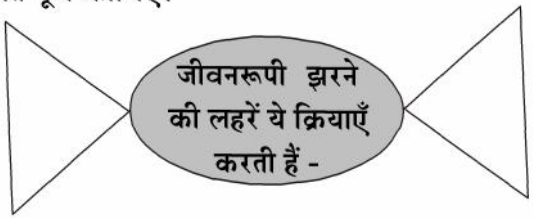

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

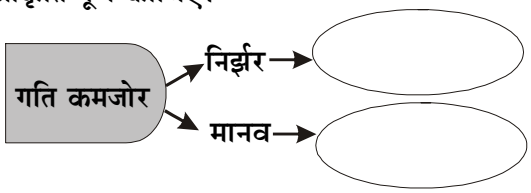

लहरें उठती हैं, गिरती हैं, नाविक तट पर पछताता है।
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है।
निर्झर में गति ही जीवन है, रुक जाएगी यह गति जिस दिन।
उस दिन मर जाएगा मानव, जग–दुर्दिन की घड़ियाँ गिन–गिन।

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) नाविक अपनी नाव पानी में क्यों नहीं उतारता है ?

(2) 'जीवनरूपी लहरों का उठना-गिरना 'इससे आप समझते हैं कि

ii) **उत्तर लिखिए।** **½**

(1) तब मानव मर जाएगा।

(2) **सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।** **½**
निर्झर का जीवन उसकी मति / गति है।

3) i) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** **1**

(1) निरझर - (2) घड़िया -

ii) **पद्यांश से तुकान्त शब्दों की जोड़ियाँ बनाकर लिखिए।** **1**

(1) ---------- (2) ----------

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

''लहरें उठती हैं, गिरती हैं, नाविक तट पर पछताता है।
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है।''

विभाग 3 - पूरक पठन

04 अंक

प्र.3. परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

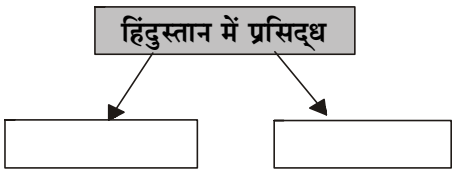

ii) **उत्तर लिखिए ।** **1**

(1) इन्हें पहले से ही थी तुलसी के गुप्त लक्षणों या औषधीय गुणों की जानकारी -

(2) इन्हें भगाने के लिए तुलसी के पत्तों का उपयोग होता है -

हिंदुस्तान में तुलसीदास भी प्रसिद्ध हैं और तुलसी का बिरवा भी, बल्कि अगर यों कहें कि यहाँ जनजीवन में तुलसी का पौधा बहुत महत्त्वपूर्ण है तो अत्युक्ति न होगी। अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है, जिसकी कि स्त्रियाँ पूजा करती हैं। ग्रामीण या आम भाषा में लोग इसे तुलसा भी कहते हैं। इसी तुलसी के संबंध में विशेष बात यह है कि हिंदू धर्म में ही नहीं, ईसाई धर्म में भी इसे बहुत पवित्र माना गया है। अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेड बेसिल'यानी पवित्र तुलसी कहते हैं। और इसी लिए पवित्रता का बोध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक नामकरण में, जो कि लैटिन भाषा में होता है, इसे 'ओसिमम सैक्टम' कहा गया है। अंग्रेजी का बेसिल शब्द ग्रीक भाषा के 'बसिलिकोन' शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है राजसी। फ्रांसवाले इसी लिए इसे 'ल प्लांती रोयली' अर्थात राजसी पौधा कहते हैं। ईसाइयों में इसके पवित्र माने जाने का कारण यह है कि यही वह पौधा है जो ईसा मसीह यानी क्राइस्ट की कब्र पर उगा था। तब से ईसाइयों द्वारा इसे पवित्र कहा जाने लगा।

इटली और ग्रीस के लोगों को भी बहुत पहले से इसके गुप्त लक्षणों या औषधीय गुणों का पता था। इसीलिए संत बेसिल दिवस को स्त्रियों द्वारा तुलसी की टहनियों को गिरजाघर में ले जाने और घर लौटने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखरा देने की प्रथा रही है कि आने वाला वर्ष शुभकारी हो। इन टहनियों की कुछ पत्तियों को खा लेने और कुछ को अपने वार्डरोब में चूहे व कीड़े भगाने के लिए प्रयुक्त करने की प्रथा भी है।

2) "भारत में तुलसी का महत्त्व" इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

दार्शनिक

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए।** **½**

जिंदगी संघर्ष से भरी हुई है ।

2) i) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए।** **1**

सबने आखिर चैन का साँस लिया ।

3) i) **सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

लगना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
साहब मंदिर के पीछे से निकल आए ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

मूल क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया**	**द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया**
देखना	———	———

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
अलावा

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**
वह जानता था कि किसी को भी वह एडवांटेज नहीं है ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**
चपरासी खीझ गया । (सामान्य वर्तमानकाल)
उसने रोते हुए कहा । (सामान्य भविष्यकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**
पता चलना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**
(कान खड़े रहना, जान में जान आना, अपने पैरों पर खड़ा होना)
मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों को धीरज प्राप्त हुआ ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है : **(15)**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **5**
'नाशिक में राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित'
महात्मा गांधी रोड, महात्मा गांधी विद्‌यालय से, दिलीप / दिपा चौधरी, कक्षा दसवीं अ, उपस्थिति क्र. 21 प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखकर चार दिन की छुट्‌टी मंजूर करने के लिए आवेदन पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

मिथिल / मिथिला शिंदे, छात्र प्रतिनिधि, प्रबोधिनी विद्‌यालय, जयसिंगपुर से व्यवस्थापक, क्वालिटी

स्पोर्टस, तिलक रोड, पुणे को पत्र लिखकर सूचीनुसार क्रीड़ा साहित्य न पहुँचने के संदर्भ में शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । **5**

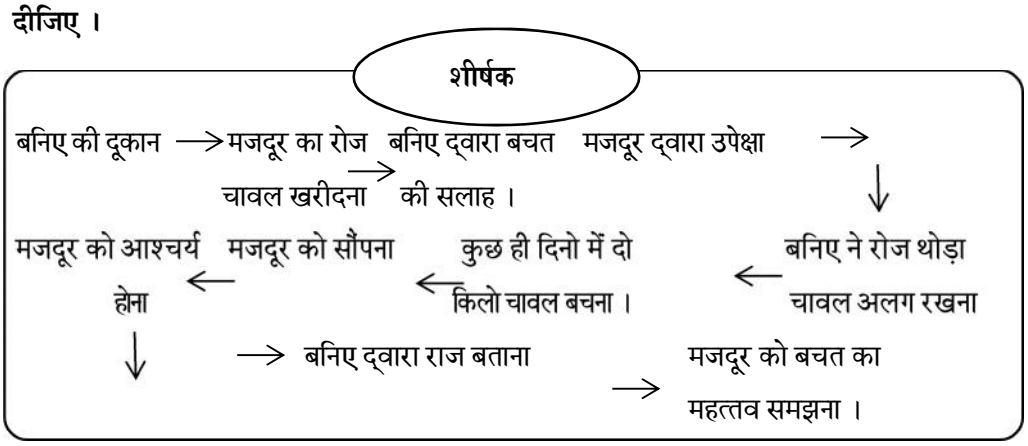

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । **5**

संसार में तीन बातें बड़ी महत्त्वपूर्ण हैं । इनको प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे । ये तीन बातें हैं - अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना । इसका मतलब यह नहीं कि तुम्हें अक्षर ज्ञान नहीं मिलेगा । वह तो मिलेगा ही । लेकिन तुम उसी की चिंता करो, यह मैं नहीं चाहता । इसके लिए तुम्हारे पास अभी बहुत समय है । अक्षर ज्ञान इसलिए होता है कि जो कुछ तुम्हें मिला हैं, उसे तुम दूसरों को दे सको । इतना याद रखना कि अब हमें गरीबी में रहना है । जितना अधिक विचार मैं करता हूँ, उतना ही अधिक मुझे लगता है कि, गरीबी में ही सुख है । अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद है ।

प्र.6. विज्ञापन : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

1)

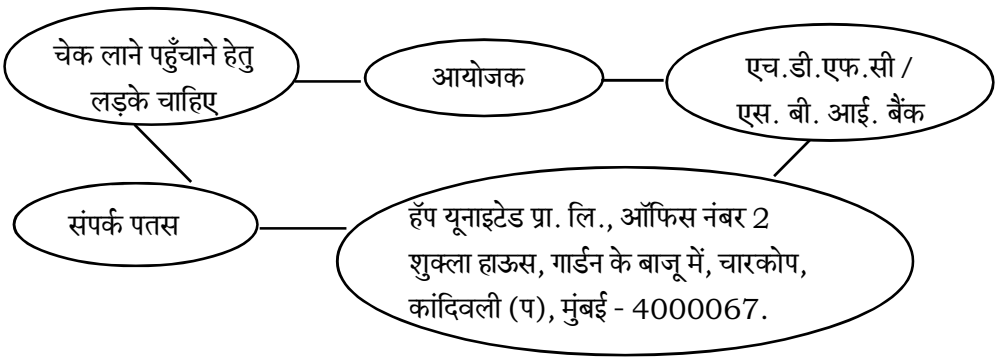

2) स्वमत : (लगभग 80 से 100 शब्दों में) **5**

'यातायात की समस्या सभी के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है । सभी इस समस्या से तंग आ गए हैं।' - इन वाक्यों से शुरुआत करते हुए 'यातायात की समस्या' पर अपने विचार लिखिए ।

3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (लगभग 80 से 100 शब्दों में) **5**

1) बूढ़े किसान की आत्मकथा
2) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

Best Of Luck